अमेरिका युद्ध

सन 1861 से 1864 के काल में संयुक्त राज्य अमेरिका के उत्तरी राज्यों और दक्षिणी राज्यों के बीच लड़ा जाने वाला युद्ध अमेरिका का गृह युद्ध कहलाया, इसमें उत्तरी अमेरिका की विजय हुई।

उत्तरी अमेरिका और दक्षिणी अमेरिका में युद्ध से पहले की भूमिका —

1828 में अमेरिका कांग्रेस ने टैरिफ (शुल्कदर) पारित किया जिससे U.S.A में आयात पर दरें 50% तक बढ़ गई। यह देश के इतिहास में सबसे बड़ी वृद्धि थी। इसका उद्देश्य विदेशी के आयात को और अधिक महंगा बनाकर उत्तर में अमेरिकी विनिर्माण की रक्षा करना था। 1828 के टैरिफ के बारे में प्रबल भावनाएँ थी। प्रतिक्रियाएँ भूगोल के आधार पर विभाजित थीं और देश इस तरह विभाजित हो गया कि बाद में गृहयुद्ध में संघ और परिसंघ के बीच विभाजन की प्रतिध्वनि हुई।

नीग्रो (हब्सी) लोग अफ्रीकन दास थे जो अमेरिका के विभिन्न क्षेत्रों में लाकर बसाये गये थे और इनसे दास कार्य कराया जाता था। असल में पूरा अमेरिका इसी दास पर निर्भर थे।

यह कहा जाता है कि 12 April 1861 को इस Civil war की starting ho gyi,

कारण

व्यापारिक नियंत्रण के अतिरिक्त दासप्रथा को लेकर यह विरोध और बढ़ा। ऐण्ड्रयू जैकसन के समय दासप्रथा के विरोध में किया गया उत्तरी राज्यों में प्रदर्शन और दक्षिणी राज्यों में इनको कायम रखने का प्रयास गृहयुद्ध का दूसरा मूल कारण हुआ। दक्षिणी कहने लगे कि टेक्सास पर अधिकार और मेक्सिको से युद्ध करना अनिवार्य है।

औद्योगिकरण हुआ था दक्षिण कृषि प्रधान था)

आर्थिक मुद्दों, पश्चिमी विस्तार, राज्यों के अधिकारों के बीच तनाव और सबसे महत्वपूर्ण दासता का कारण शुरू हुआ।

यह गृहयुद्ध सबसे खूनी संघर्ष और विभाजनकारी संघर्ष था। जिसने संघ सेना को अमेरिका के संघीय राज्यों के खिलाफ खड़ा कर दिया था।

1861 में गुलामी विरोधी Republican party के सदस्य अब्राहम लिंकन के राष्ट्रपति के रूप में चुनाव के कारण 11 दक्षिण राज्य अलग हो गए।

1. उत्तरी और दक्षिणी राज्यों के बीच आर्थिक असमानता

(क) उत्तरी राज्यों का औद्योगीकरण किया गया जबकि दक्षिणी राज्यों में जहां मुख्य रूप से कृषि थी।

(ख) उत्तरी राज्यों दास प्रथा को अन्याय, अमानवीय और अनैतिक मानते थे तथा संविधान में प्रदत्त स्वतन्त्रता, समानता के आदर्शों के प्रतिकूल मानते थे। जबकि दक्षिण में दासों को विधान मण्डलों में अधिकार देने

(ग) अब्राहम लिंकन को निर्वाचन की बात कही गई उम्मीद जगी

(घ) उत्तरी और दक्षिणी राजनीतिक प्रचार

(ङ) दासों के स्वामियों के प्रतिक्रियावादी दोष

(च) दास प्रथा समर्थक राज्यों का अलग होना

(छ) समझौता प्रयासों की असफलता